राजभाषा समिति

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर

छत्तीसगढ़ पिनकोड- 492010

राजभाषा समिति

राजभाषा समिति राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर की एक आधिकारिक समिति है, जिसका उद्देश्य लोगों के हृदय में हिंदी भाषा के प्रति महत्वता एवं जागरूकता को बढ़ावा देना है। यह समिति संस्थान में विगत कई वर्षों से कार्यरत है। यह समिति लोगों के हृदय में हिंदी के प्रति प्रेम को बरकरार रखने के लिए हर वर्ष हिंदी पखवाड़ा (आह्वान) एवं मातृभाषा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन करवाती है।

राजभाषा समिति के प्रभारी (फैकल्टी-इंचार्ज) डॉ. सपन मोहन सैनी है। समिति के अंतर्गत 50+ सदस्य कार्यरत है। समिति के मुख्य-समन्वयक की सूची निम्नानुसार हैं:-

स. क्र.	नाम	पद
1.	कृषण कुमार प्रजापत	मुख्य-समन्वयक
2.	विनय यादव	मुख्य-समन्वयक
3.	पुष्पेंद्र सिंह	मुख्य-समन्वयक
4.	शिखा राय	मुख्य-समन्वयक
5.	दुर्गेश पटेल	मुख्य-समन्वयक
6.	अदित्य कुमार	मुख्य-समन्वयक
7.	प्रेमू साहू	मुख्य-समन्वयक
8.	अंजनी बंजारे	मुख्य-समन्वयक

राजभाषा समिति द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाता हैं, जिसके अंतर्गत कविता लेखन, श्रुत लेखन, निबंध लेखन, नुक्कड़ नाटक जैसे विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। यह सभी कार्यक्रम संस्थान स्तर पर आयोजित किए जाते हैं जिसमें संस्थान के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थीगण को प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया जाता है। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को आकर्षक इनाम एवं प्रमाण पत्र के साथ सम्मानित किया जाता है।

राजभाषा समिति द्वारा विगत वर्ष आयोजित की प्रतियोगिताएं निम्नानुसार है:-

स. क्र.	कार्यक्रम	अवधि
1.	आह्वान'२१ (हिंदी पखवाड़ा)	14 सितम्बर से 28 सितम्बर
2.	मातृभाषा महोत्सव'२२	14 फ़रवरी से 28 फ़रवरी

आह्वान'२२

भारत देश में हिंदी दिवस हर साल १४ सितंबर को मनाया जाता है। देश की राज भाषा हिंदी के प्रति इस दिन सम्मान का भाव प्रकट करने के ध्येय से कई कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं। भारत सरकार के सभी कार्यालयों, उपक्रमों, उद्यमों, संस्थाओं में हिंदी पखवाड़ा हर वर्ष १४ सितंबर से २८ सितंबर तक मनाया जाता है। राजभाषा समिति द्वारा हिंदी के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए प्रति वर्ष हिंदी पखवाड़ा के दौरान अनेक हिंदी कार्यक्रम, प्रतियोगिताएँ आयोजित करने का प्रावधान है।

राजभाषा समिति द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हिंदी पखवाड़ा के उपलक्ष्य पर "आह्वान'२२" का आयोजन किया गया था। यह कार्यक्रम ८ सितंबर से १४ सितंबर तक आयोजित किया गया था जिसके अंतर्गत शिक्षक गण और छात्रगण दोनों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

राजभाषा समिति द्वारा “आह्वान’२२” कार्यक्रम का आयोजन समिति के प्रभारी (फैकल्टी इंचार्ज) डॉ. सपन मोहन सैनी सर के मार्गदर्शन में किया गया था।

राजभाषा समिति द्वारा यह कार्यक्रम शिक्षक गण और छात्र गण के लिए एक साथ आयोजित किया गया था, जिसमें इच्छुक शिक्षक गण और छात्र गण हिस्सा लेकर हिंदी भाषा के प्रति

अपनी प्रेम को जाहिर कर सकें। समिति इस कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को हिन्दी भाषा के प्रति सम्मान, इसके प्रति जागरूकता और दैनिक व्यवहार में हिन्दी भाषा के उपयोग करने के लिए प्रेरित करती है।

राजभाषा समिति द्वारा “आह्वान'२२” के उपलक्ष्य पर इस वर्ष शिक्षक वर्ग और छात्र वर्ग के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था, जो निम्नानुसार हैं:-

1. शिक्षक वर्ग के कार्यक्रम

    अ) कविता लेखन प्रतियोगिता

    ब) निबंध लेखन

2. छात्र वर्ग के कार्यक्रम

    अ) नुक्कड़ नाटक

    ब) कविता लेखन

    स) श्रुत लेखन

    द) चक्रव्यूह

छात्र वर्ग के कार्यक्रम

अ) नुक्कड़ नाटक:-

राजभाषा समिति के मुख्य उत्सव "आह्वान'२२" की शुरुआत नुक्कड़ नाटक जैसे एक मनोरंजक कार्यक्रम से की गई थी। इसमें राजभाषा के समस्त सदस्यों ने अपने हृदय में बसे हिंदी भाषा के प्रति प्रेम को अभिव्यक्त किया और लोगों के मन में बसे हिंदी प्रेम को पुनः जागृत करने की एक अचूक कोशिश की।

1. नुक्कड़ नाटक का आयोजन 8 सितंबर को किया गया था।
2. नुक्कड़ नाटक का विषय हिंदी भाषा की महत्वता पर आधारित था।
3. इस कार्यक्रम के पोस्टर (विज्ञापन), 06 सितंबर को विभिन्न सामाजिक मीडिया (social media) के जरिये साझा किये गए।
4. कार्यक्रम के प्रभारी:-

स. क्र.	नाम	भूमिका
1.	पष्पेंद्र सिंह	निर्देशक
2.	टोमेंद्र	संचालक
3.	तनुश्री	संचालक

5. इस कार्यक्रम में राजभाषा समिति के 15 से 18 सदस्यों ने प्रदर्शन किया।
6. इसको संस्थान के मुख्य भवन के समक्ष प्रस्तुत किया गया था।
7. इस प्रस्तुति को देखने के लिए भारी संख्या में छात्र उपस्थित थे।
8. इस नाटक का मुख्य उद्देश्य हिंदी की महत्वता को दर्शाना था।

नुक्कड़ नाटक की कुछ झलकें:-

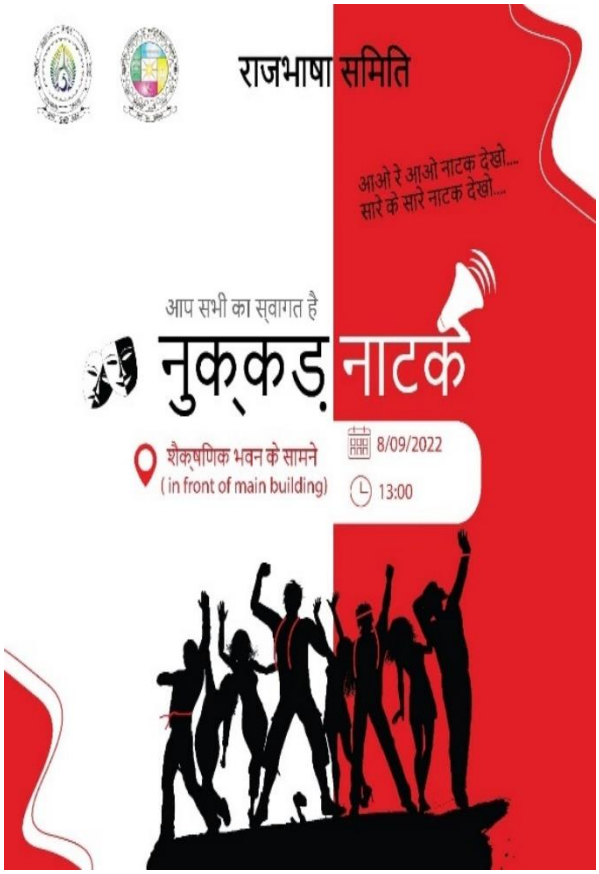

एनआईटी : नुक्कड़ नाटक के जरिए हिंदी का महत्व बताया गया

सिटी रिपोर्टर |एनआईटी में राजभाषा समिति ने 8 से 14 सितंबर तक हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता फैलाने और इसके महत्व को समझाने के लिए हिंदी पखवाड़ा 'आह्वान-22' का आयोजन किया। समिति के इंचार्ज डॉ. सपन मोहन सैनी ने बताया कि कार्यक्रम में हम पर पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव, भाषाई नस्लवाद से कैसे बचा जा सकता है? इंग्लिश क्या है? हिंग्लिश क्या है? क्या आप भाषाओं के विलय पर अच्छा महसूस करते हैं? जैसे विषय पर फैकल्टी मेंबर्स के लिए निबंध एवं कविता लेखन प्रतियोगिता रखी गई। साथ ही नुक्कड़ नाटक माध्यम से हिंदी भाषा के महत्व को बताया गया। खेल प्रतियोगिता 'चक्रव्यूह' भी आयोजित की गई। पिट्ठुल और कुर्सी दौड़ जैसे खेल हुए।

एनआईटी में हिंदी पखवाड़ा मनाया

एनआईटी की राजभाषा समिति ने 8 से 14 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा मनाया। मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रति जागरुकता फैलाना और इसके महत्व को समझाना था। समापन फैकेल्टी मेंबर्स के लिए निबंध एवं कविता लेखन के साथ हुआ। विषय थे- हम पर पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव, भाषाई नस्लवाद से कैसे बचा जा सकता है एवं इंग्लिश क्या है ? हिंग्लिश क्या है? आप भाषाओं के विलय पर अच्छा महसूस करते हैं ? मुख्य भवन के सामने नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इसमें दर्शकों ने अपनी रुचि दिखाई। कविता लेखन प्रतियोगिता में 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। श्रुत लेखन प्रतियोगिता में 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों की हिंदी वर्तनी, व्याकरण तथा लेखनी को अच्छा करना था। जिसके अंतर्गत पिट्ठुल और कुर्सी दौड़ जैसे खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें कई छात्रों ने अपनी टीम के साथ भाग लिया तथा प्रतियोगिता का आनंद लिया।

ब) <u>कविता लेखन प्रतियोगिता</u>:-

राजभाषा समिति द्वारा "आह्वान'२२" के उपलक्ष्य पर सभी हिंदी प्रेमियों के प्रेम भाव को बरकरार रखते हुए “कविता लेखन” प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। समिति इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों के हृदय और अंतर्मन में छुपे हुए हिंदी के प्रति प्रेम भाव और रस युक्त कवि को जागृत कर उन्हें दुनिया के समक्ष एक नया मंच प्रदान करती है। प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्र-गणों को अपनी कविता रचना करने की कला द्वारा स्वरचित कविताएं लिख कर अपनी कला/ प्रतिभा को व्यक्त करना था , जिसमें वे किसी भी विषय विशेष पर कविता लिख सकते थे ।

1. कविता लेखन कार्यक्रम का आयोजन 09 सितंबर को किया गया था।
2. इस कार्यक्रम के पोस्टर (विज्ञापन), write up और गूगल फार्म(Google form) 07 सितंबर को विभिन्न सामाजिक मीडिया (social media) के जरिये साझा किये गये, जिससे पूरे भारत में इसका प्रसार हो सके और सभी छात्र/छात्राएं अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर सकें।
3. कार्यक्रम के प्रभारी:-

स. क्र.	नाम	भूमिका
1.	दुर्गेश पटेल	निर्देशक
2.	हिमानी साहू	संचालक
3.	हर्षित	संचालक

4. इस कार्यक्रम में छात्र/छात्राओं द्वारा कुल 48 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं।
5. इसमें पूरे संस्थान से प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं हैं।
6. रचना में मुख्य रूप से प्रचलित सामाजिक कुरीतियां, पर्यावरण, महिलाओं का उत्थान से संबंधित समावेश देखने को मिला जो अत्यधिक प्रशंसनीय है।
7. इस कार्यक्रम में सम्मिलित सभी प्रतिभागिओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।
8. कार्यक्रम के विजेताओं की घोषणा निर्णायक समिति के निर्णय को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
9. कार्यक्रम के विजेताओं को 5000 तक रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

कविता लेखन की कुछ झलकें:-

उद्देश्य:-

1. कविता कार्यक्रम के माध्यम से समिति का मुख्य लक्ष्य इस प्रकार के नौजवान प्रतिभावान सितारों को एक नया मंच प्रदान करना है।
2. समिति इस प्रकार के विभिन्न कार्यक्रम के जरिये लोगों के भीतर छुपी हुई हिंदी भाषा की कला, योग्यता से दुनिया को अवगत कराना चाहती है।
3. जिस प्रकार से हमारे पूरे भारत देश में मातृभाषा हिंदी की महत्ता लगातार घटती जा रही है और अंग्रेजी भाषा की महत्ता बढ़ती जा रही है, इसी कारण राजभाषा समिति इन कार्यक्रमों के जरिये पूरे भारतवर्ष में हिन्दी भाषा की महत्ता से लोगों को अवगत कराकर हिन्दी भाषा की गरिमा बनाये रखना चाहती है।
4. राजभाषा समिति इन कार्यक्रमों के जरिये पूरे भारत देश में अपनी एक अलग पहचान बनाना चाहती है जिससे लोग खुलकर हिन्दी भाषा के प्रति अपनी

जागरूकता हमारे समक्ष व्यक्त कर सके और हिन्दी भाषा के प्रति लोगों का ध्यान आकर्षित हो सके।

5. समिति का मुख्य उद्देश्य भारत वर्ष में लोगों को इस बात से रूबरू कराना है कि जब तक वे हिन्दी का उपयोग पूरी तरह से नहीं करेंगे, तब तक हिन्दी भाषा का विकास नहीं हो सकता है।

स) <u>श्रुत लेखन</u>:-

हिंदी पखवाड़ा के शुभ अवसर पर प्रतिवर्ष की तरह राजभाषा समिति इस वर्ष भी "आह्वान'२२" के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करा रही है, जिसमे श्रुतलेख प्रतियोगिता भी शामिल है।

1. श्रुत लेखन कार्यक्रम का आयोजन 12 सितंबर को किया गया था।
2. इस कार्यक्रम के पोस्टर (विज्ञापन), write up और गूगल फार्म(Google form) 10 सितंबर को विभिन्न सामाजिक मीडिया (social media) के जरिये साझा किये गये, जिससे पूरे भारत में इसका प्रसार हो सके और सभी छात्र/छात्राएं अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर सकें।
3. जिस प्रकार से हमारे पूरे भारत देश में मातृभाषा हिंदी की महत्ता लगातार घटती जा रही है और अंग्रेजी भाषा की महत्ता बढ़ती जा रही है, इसी कारण राजभाषा समिति इन कार्यक्रमों के जरिये पूरे भारतवर्ष में हिन्दी भाषा की महत्ता से लोगों को अवगत कराकर हिन्दी भाषा की गरिमा बनाये रखना चाहती है।
4. कार्यक्रम के प्रभारी:-

स. क्र.	नाम	भूमिका
1.	विनय यादव	निर्देशक
2.	योगेश	संचालक
3.	सुमित	संचालक

5. इस कार्यक्रम में छात्र/छात्राओं द्वारा कुल 74 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं।
6. इसमें पूरे संस्थान से प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं हैं।

7. इस कार्यक्रम में सम्मिलित सभी प्रतिभागिओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।
8. कार्यक्रम के विजेताओं की घोषणा निर्णायक समिति के निर्णय को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
9. कार्यक्रम के विजेताओं को 5000 तक रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

<u>श्रुत लेखन प्रतियोगिता की कुछ झलकें:-</u>

<u>उद्देश्य</u>:-

श्रुतलेख का उद्देश्य छात्रों की श्रवणेन्द्रिय को प्रशिक्षित करना है, ताकि वह भाषा के शुद्ध रूप को सावधानी से सुन सकें। छात्रों की लिखावट में सुडौलता के साथ-साथ स्पष्टता का अभ्यास, लिखायी में गति लाना तथा एकाग्रचितता लाना श्रुतलेख का प्रमुख लक्ष्य है। इस विधि के द्वारा छात्र के हाथ, कान और मस्तिष्क की क्रियाओं में सन्तुलन स्थापित किया

जाता है। उसकी स्मरण शक्ति का विकास किया जाता है। इसके साथ ही सुनकर भाव-ग्रहण करने का भी अभ्यास कराया जाता है। वर्तनी की शिक्षा भी इसका एक उद्देश्य है।

द) चक्रव्यूह:-

1. चक्रव्यूह का आयोजन 13 सितंबर को किया गया था।
2. इस कार्यक्रम के पोस्टर (विज्ञापन), 07 सितंबर को विभिन्न सामाजिक मीडिया (social media) के जरिये साझा किये गये जिससे संस्थान के सभी विद्यार्थी इस खेल में भाग ले सके।
3. इसके अंतर्गत 2 खेलो (म्यूजिकल चेयर एव पिट्ठूल) का आयोजन किया गया था ।
4. कार्यक्रम के प्रभारी:-

स. क्र.	नाम	भूमिका
1.	कृष्ण कुमार प्रजापत	निर्देशक
2.	मानस	संचालक
3.	अनूप भगत	संचालक

5. इन खेलो का आयोजन संस्थान के फुटबॉल ग्राउंड में किया गया था।
6. इन खेलो में संस्थान के बहुत से विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी रुचि व्यक्त की।
7. इन खेलो में जीतने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत करके सम्मानित किया गया था।

चक्रव्यूह प्रतियोगिता की कुछ झलकें:-

शिक्षक वर्ग के कार्यक्रम

राजभाषा समिति यह कार्यक्रम मुख्य रूप से स्वयं के संस्थान " राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर " के शिक्षक वर्ग हेतु आयोजित करती है । जिसमें इच्छुक शिक्षक गण हिस्सा लेकर स्वयं एवं छात्रों को हिंदी भाषा के प्रति जागरूक एवं इसके प्रति सम्मान व दैनिक जीवन में हिंदी भाषा के उपयोग करने को प्रेरित करते हैं । प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी समिति द्वारा शिक्षक वर्ग हेतु यह कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम के अंतर्गत तीन प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जो निम्नानुसार हैं -

1. <u>कविता लेखन</u>:-

इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी शिक्षक गणों को अपनी कविता रचना करने की कला द्वारा स्वरचित कविताएं लिख कर अपनी इस प्रतिभा को व्यक्त करना था , जिसमें वे किसी भी विषय विशेष पर कविता लिख सकते थे ।

2. <u>निबंध लेखन:-</u>

निबंध लेखन की एक ऐसी विधा होती है जिसमें एक निश्चित शब्द सीमा में किसी विषय के विभिन्न पहलुओं को अभिव्यक्त करना होता है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से संस्थान के प्राध्यापकों ने समिति द्वारा दिए विभिन्न विषयों पर अपने विचारों को एक निश्चित शब्द सीमा में व्यक्त किया ।

1.इस वर्ष यह कार्यक्रम 14 सितंबर को आयोजित किया गया था ।

2.इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु आमंत्रण 13 सितंबर को ही प्रदान कर दिया गया था ।

3.जिसके पश्चात 20 शिक्षक गणों ने इसमें अपनी रूचि प्रकट की।

शिक्षक वर्ग प्रतियोगिता की कुछ झलकें:-

उद्देश्य:-

एक शिक्षक को सदैव समाज का दर्पण माना जाता है और जब एक शिक्षक जो भी मानसिकता अपनाता है तो इसकी छाया उसके विद्यार्थियों पर भी पड़ती है ।

- इस कार्यक्रम का सर्वप्रथम उद्देश्य यही था की अगर एक शिक्षक अपनी मातृभाषा को प्रेरित करने हेतु इस प्रकार के कार्यक्रमों में अपनी रूचि प्रकट करता है तो उस शिक्षक द्वारा शिक्षित किए जा रहे विद्यार्थी पर भी इसका प्रभाव पड़ता है ।

- जब देश के एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थान का शिक्षक जहां सम्पूर्ण राष्ट्र से चयनित होकर आए विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते हों इस प्रकार की मानसिकता रखता हो जिसमें वह अपनी मातृभाषा पर गर्व करे और उसे ही अपनी प्रमुख भाषा का दर्जा देकर सम्मान प्रदान करे तो यह समस्त राष्ट्र के शिक्षकों व विद्यार्थियों के लिए एक आदर्श बन जाता है ।

- इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थी शिक्षक के भीतर की उन विचारधाराओं और अनुभवों का ज्ञान लेता है जो उसके जीवन शैली को सदृढ़ बनाने हेतु बहुत बड़ी शिक्षा होती है और वह उसे उसके पाठ्यक्रम के माध्यम से प्राप्त नहीं होता ।

धन्यवाद!!